ॐ श्री गंगाईनाथाय नमः

विश्व में धार्मिक क्रांति के प्रणेता

समर्थ सद्गुरुदेव श्री रामलाल जी सियाग

बाबा श्री गंगाईनाथ जी योगी

शक्तिपात दीक्षा द्वारा कुण्डलिनी जागरण से सिद्धयोग

विक्रम संवत् 2082 — **जनवरी** — **2026** — पौष शुक्ल 13 से माघ शुक्ल 14 तक

रवि	''आध्यात्मिक चेतना ईश्वरीय शक्ति के प्रयास से फैलती है। इसमें मानवीय बुद्धि द्वारा किया गया प्रयास सार्थक सिद्ध नहीं हो सकता।''	माघ कृष्ण 1 — 4	माघ कृष्ण 8 — 11	माघ कृष्ण — मौनी अमावस्या 18	माघ शुक्ल 7 — देवनारायण जयंती 25
सोम		माघ कृष्ण 2 — गुरू गोविन्द सिंह ज. 5	माघ कृष्ण 9 — स्वामी विवेकानंद ज. राष्ट्रीय युवा दिवस 12	माघ शुक्ल 1 — गुप्त नवरात्रि 19	माघ शुक्ल 8 — गणतंत्र दिवस 26
मंगल		माघ कृष्ण 3/4 — 6	माघ कृष्ण 10 — 13	माघ शुक्ल 2 — 20	माघ शुक्ल 9 — 27
बुध		माघ कृष्ण 5 — 7	माघ कृष्ण 11 — मकर संक्रान्ति 14	माघ शुक्ल 3 — 21	माघ शुक्ल 10 — 28
गुरु	पौष शुक्ल 13 — 1 जनवरी 1969 को गुरूदेव को गायत्री मंत्र की सिद्धि हुई। 1	माघ कृष्ण 6 — 8	माघ कृष्ण 12 — 15	माघ शुक्ल 4 — 22	माघ शुक्ल 11 — 29
शुक्र	पौष शुक्ल 14 — 2	माघ कृष्ण 7 — 9	माघ कृष्ण 13 — 16	माघ शुक्ल 5 — नेताजी सुभाष जयंती 23	माघ शुक्ल 12 — 30
शनि	पौष शुक्ल पूर्णिमा — 3	माघ कृष्ण 7 — 10	माघ कृष्ण 14 — 17	माघ शुक्ल 6 — 24	माघ शुक्ल 13/14 — विश्वकर्मा जयंती 31

जीवन परिचय

समर्थ सद्गुरुदेव श्री रामलालजी सियाग का जन्म बीकानेर जिले के पलाना गांव के एक किसान परिवार में हुआ था। अल्पायु में पिताजी के स्वर्गवास के बाद उनकी माताजी ने मेहनत मजदूरी करके उन्हें पढ़ाया, जिससे रेलवे में क्लर्क की नौकरी मिल गयी। परिस्थितिवश वर्ष 1967 में पूज्य गुरुदेव ने गायत्री की साधना प्रारंभ की और एक जनवरी 1969 की प्रातः पूज्य गुरुदेव को ईश्वर के निर्गुण निराकार स्वरुप 'गायत्री' की सिद्धि हो गई। वर्ष 1983 में बीकानेर के पास जामसर में तपस्या कर रहे बाबा श्री गंगाईनाथ जी योगी ने अपनी योगशक्तिसे उन्हें अपने पास बुलाकर गुरु पद सौंपा। वर्ष 1984 में पूज्य गुरुदेव को बाबा श्री गंगाई नाथ जी योगी की अहैतुकी कृपा से सगुण साकार भगवान श्रीकृष्ण की सिद्धि हो गई। एक ही जन्म में निर्गुण निराकार और सगुण साकार, दोनों की सिद्धि हो जाने से पूज्य गुरुदेव के लिए सभी मनुष्यों की कुंडलिनी शक्तिजागृत करना संभव हो गया। इस प्रकार ''मानव से महामानव'' बनने की अद्भुत आध्यात्मिक यात्रा का मार्ग प्रशस्त करके सदगुरुदेव सियाग ने 5 जून 2017 को निर्जला एकादशी के दिन देहत्याग कर दिया। किन्तु उनकी दिव्य वाणी में संजीवनी मंत्र से शक्तिपात दीक्षा पाकर विश्व भर के करोड़ों मनुष्य अपना आध्यात्मिक उत्थान कर रहे हैं, और भारत के दिव्य योग दर्शन को वैज्ञानिक रूप से सिद्ध कर रहे हैं।

अध्यात्म विज्ञान सत्संग केन्द्र, जोधपुर रामराज्य नगर, लेरिया रिसॉर्ट रोड, चौपासनी, जोधपुर (राज.) - 342009

www.the-comforter.org

+91 2912753699

+91 9784742595

avsk@the-comforter.org

YouTube Gurudev Siyag's Siddha Yoga - GSSY

ॐ श्री गंगाईनाथाय नमः

समर्थ सद्गुरुदेव श्री रामलाल जी सियाग

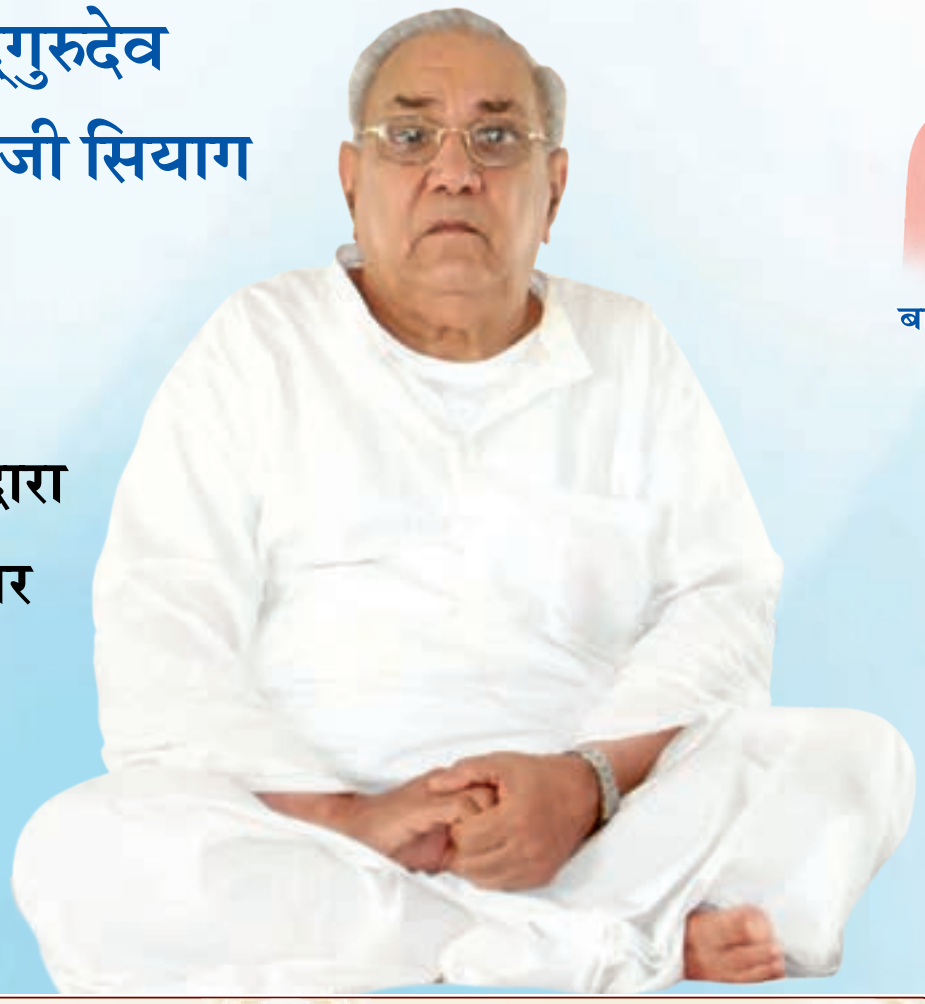

बाबा श्री गंगाईनाथ जी योगी

संजीवनी मंत्र द्वारा शक्तिपात और ध्यान की स्थिति में स्वतः योग

प्रत्यक्ष को प्रमाण क्या ? ध्यान करके स्वंय अनुभव करें।

विक्रम संवत् 2082 — **फरवरी 2026** — माघ शुक्ल 15 से फाल्गुन शुक्ल 12 तक

रवि	माघ शुक्ल पूर्णिमा 1	फाल्गुन कृष्ण 7 8	फाल्गुन कृष्ण 13 महाशिवरात्रि 15	फाल्गुन शुक्ल 5 22	
सोम	फाल्गुन कृष्ण 1 2	फाल्गुन कृष्ण 8 9	फाल्गुन कृष्ण 14 16	फाल्गुन शुक्ल 6/7 23	
मंगल	फाल्गुन कृष्ण 2 3	फाल्गुन कृष्ण 8 10	फाल्गुन कृष्ण अमावस्या 17	फाल्गुन शुक्ल 8 24	
बुध	फाल्गुन कृष्ण 3 4	फाल्गुन कृष्ण 9 11	फाल्गुन शुक्ल 1 18	फाल्गुन शुक्ल 9 25	
गुरु	फाल्गुन कृष्ण 4 5	फाल्गुन कृष्ण 10 12	फाल्गुन शुक्ल 2 छत्रपति शिवाजी ज. 19	फाल्गुन शुक्ल 10 26	
शुक्र	फाल्गुन कृष्ण 5 6	फाल्गुन कृष्ण 11 13	फाल्गुन शुक्ल 3 20	फाल्गुन शुक्ल 11 27	
शनि	फाल्गुन कृष्ण 6 7	फाल्गुन कृष्ण 12 14	फाल्गुन शुक्ल 4 21	फाल्गुन शुक्ल 12 28	

''जिसका नाम जप रहे हो, उसी में परिवर्तित हो जाओगे।''

''आपको सिर्फ नाम जप व ध्यान करना है। आगे की ड्यूटी गुरु की।''

संजीवनी मंत्र दीक्षा के लिए कॉल करें। 7533006009

ध्यान की विधि

- आरामदायक स्थिति में बैठकर 2 मिनट तक गुरूदेव के चित्र को देखें, फिर आंखें बंद करके आज्ञाचक्र (भौंहों के बीच, जहाँ बिन्दी या तिलक लगाते हैं) पर गुरूदेव के चित्र का स्मरण करें एवं मन ही मन 15 मिनट का समय मांगकर ध्यान स्थिर करने हेतु प्रार्थना करें।
- तत्पश्चात् गुरूदेव के चित्र का आज्ञाचक्र पर ध्यान केन्द्रित करते हुए गुरूदेव सियाग द्वारा दिए गए संजीवनी-मंत्र का मानसिक जाप बिना होंठ-जीभ हिलाए करते रहें।
- यदि ध्यान के दौरान किसी भी प्रकार की यौगिक क्रियाएं जैसे - आसन, बंध, मुद्रा या प्राणायाम आदि स्वतः होने लगे तो उन्हें रोकने का प्रयास नहीं करें तथा उन्हें सहज में होने दें। यह शरीर की शुद्धि एवं रोग मुक्ति हेतु कुण्डलिनी शक्ति करवाती है। ध्यानावस्था के बाद स्थिति सामान्य हो जायेगी।
- ध्यान नियमित रूप से प्रतिदिन दो बार 15 मिनट सुबह एवं 15 मिनट शाम को खाली पेट (सुबह नाश्ते से पहले व शाम को भोजन से पहले) करें।

अध्यात्म विज्ञान सत्संग केन्द्र, जोधपुर रामराज्य नगर, लेरिया रिसॉर्ट रोड, चौपासनी, जोधपुर (राज.) - 342009

www.the-comforter.org

+91 2912753699

+91 9784742595

avsk@the-comforter.org

YouTube Gurudev Siyag's Siddha Yoga - GSSY

ॐ श्री गंगाईनाथाय नमः

समर्थ सद्गुरुदेव श्री रामलाल जी सियाग

बाबा श्री गंगाईनाथ जी योगी

विक्रम संवत् 2082/83 — **मार्च** — **2026** — फाल्गुन शुक्ल 13 से चैत्र शुक्ल 13 तक

रवि	फाल्गुन शुक्ल 13 **1**	चैत्र कृष्ण 5 **8**	चैत्र कृष्ण 11 **15**	चैत्र शुक्ल 4 **22**	चैत्र शुक्ल 11 **29**
सोम	फाल्गुन शुक्ल 14 होलिका दहन **2**	चैत्र कृष्ण 6 **9**	चैत्र कृष्ण 12 **16**	चैत्र शुक्ल 5 **23**	चैत्र शुक्ल 1 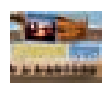 राजस्थान स्थापना दि. **30**
मंगल	फाल्गुन शुक्ल धुलण्डी **3**	चैत्र कृष्ण 7 **10**	चैत्र कृष्ण 13 **17**	चैत्र शुक्ल 6 **24**	चैत्र शुक्ल 13 महावीर जयंती **31**
बुध	चैत्र कृष्ण 1 वि.सं. 2083 **4**	चैत्र कृष्ण 8 **11**	चैत्र कृष्ण 14 **18**	चैत्र शुक्ल 7 **25**	कुण्डलिनी जनित यौगिक क्रियाओं की विभिन्न मुद्राओं में साधक
गुरु	चैत्र कृष्ण 2 **5**	चैत्र कृष्ण 9 **12**	चैत्र कृष्ण 30/1 घट स्थापना **19**	चैत्र शुक्ल 8 श्रीराम नवमी **26**	
शुक्र	चैत्र कृष्ण 3 **6**	चैत्र कृष्ण 10 **13**	चैत्र शुक्ल 2 चेटीचण्ड **20**	चैत्र शुक्ल 9 **27**	
शनि	चैत्र कृष्ण 4 **7**	चैत्र कृष्ण 10 **14**	चैत्र शुक्ल 3 **21**	चैत्र शुक्ल 10 **28**	

कुण्डलिनी जागरण

गुरुदेव सियाग द्वारा शक्तिपात दीक्षा से साधक की कुण्डलिनी जाग्रत हो जाती है। यह जाग्रत कुण्डलिनी साधक के शरीर की आवश्यकता के अनुसार, ध्यान करते समय, विभिन्न प्रकार की यौगिक क्रियाएँ जैसे- आसन, बंध, मुद्रा, प्राणायाम आदि स्वयं करवाती है, जिससे साधक के त्रिविध (शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक) ताप (कष्ट) शांत होते हैं।

अध्यात्म विज्ञान सत्संग केन्द्र, जोधपुर रामराज्य नगर, लेरिया रिसॉर्ट रोड, चौपासनी, जोधपुर (राज.) - 342009

www.the-comforter.org

+91 2912753699
+91 9784742595

avsk@the-comforter.org
YouTube Gurudev Siyag's Siddha Yoga - GSSY

ॐ श्री गंगाईनाथाय नमः

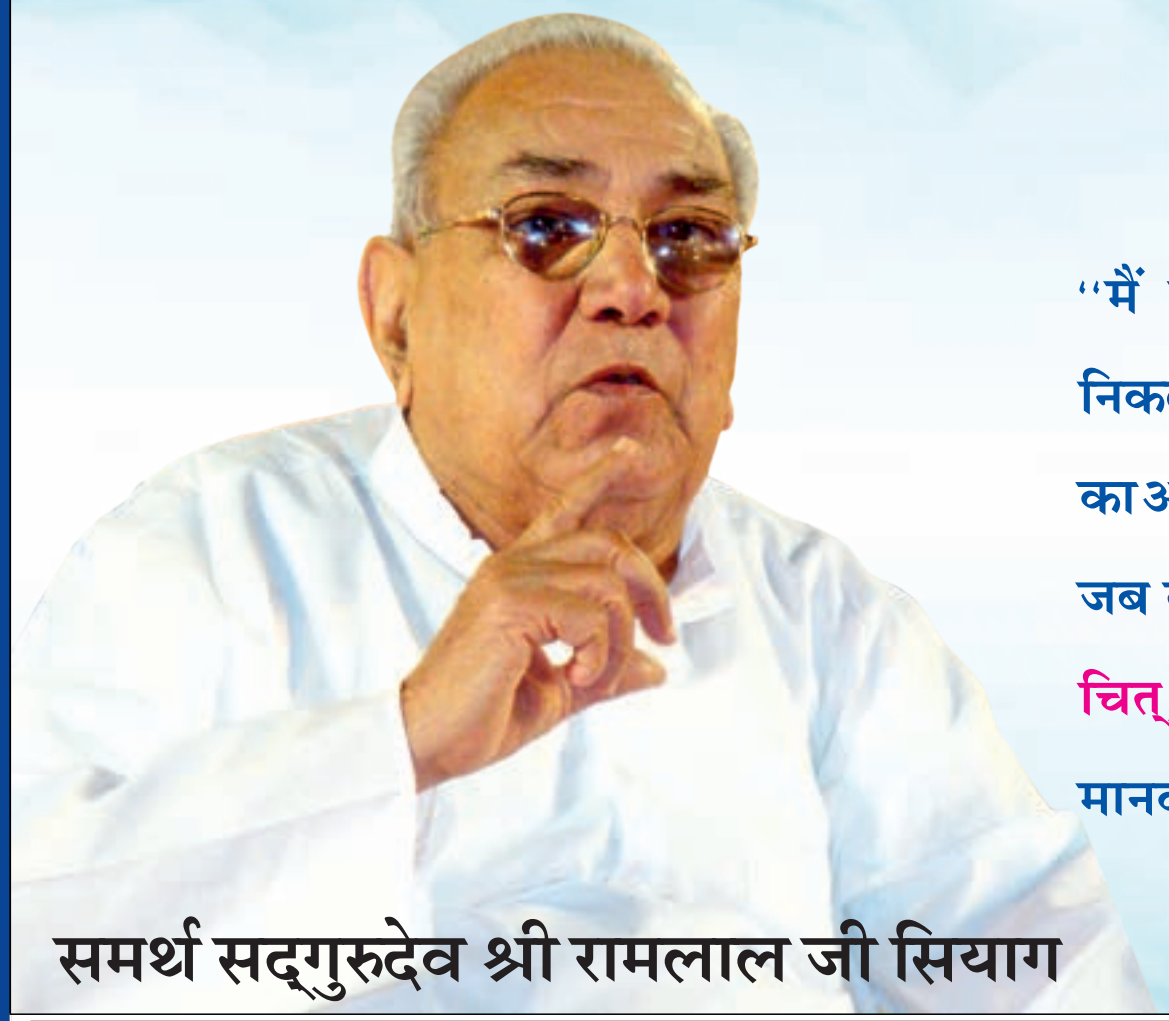

बाबा श्री गंगाईनाथ जी योगी

"मैं तो वैज्ञानिकों से मिलने निकला हूँ कि तुम्हारी समस्याओं का अन्त तब तक नहीं हो सकता, जब तक ये तीनों कोश - सत्, चित्, आनन्द (सच्चिदानंद) मानवता में चेतन नहीं हो जाते।"

समर्थ सद्गुरुदेव श्री रामलाल जी सियाग

विक्रम संवत् 2083

अप्रैल 2026

चैत्र शुक्ल 14 से वैशाख शुक्ल 14 तक

रवि	"मैं कथा नहीं बाँचता, मैं युवाओं को एक क्रियात्मक पथ बताता हूँ। जिससे वे अपना विज्ञानमय कोश चेतन करके, साइंस के माध्यम से अपना, देश का व मानव जाति का उत्थान कर सकते हैं।"	वैशाख कृष्ण 3 5	वैशाख कृष्ण 10 12	वैशाख शुक्ल 2 श्री परशुराम ज. 19	वैशाख शुक्ल 10 26
सोम		वैशाख कृष्ण 4 6	वैशाख कृष्ण 11 13	वैशाख शुक्ल 3/4 20	वैशाख शुक्ल 11 27
मंगल		वैशाख कृष्ण 5 विश्व स्वास्थ्य दिवस 7	वैशाख कृष्ण 12 डॉ. अम्बेडकर ज. 14	वैशाख शुक्ल 5 21	वैशाख शुक्ल 12 28
बुध		चैत्र शुक्ल 14 बैंक वार्षिक लेखाबंदी 1	वैशाख कृष्ण 6 8	वैशाख कृष्ण 13 15	वैशाख शुक्ल 6 22	वैशाख शुक्ल 13 29
गुरु		चैत्र शुक्ल पूर्णिमा हनुमान जन्मोत्सव 2	वैशाख कृष्ण 7 9	वैशाख कृष्ण 14 16	वैशाख शुक्ल 7 23	वैशाख शुक्ल 14 नृसिंह जयंती 30
शुक्र		वैशाख कृष्ण 1 गुड-फ्राइडे 3	वैशाख कृष्ण 8 10	वैशाख कृष्ण अमावस्या 17	वैशाख शुक्ल 8 24	
शनि		वैशाख कृष्ण 2 4	वैशाख कृष्ण 9 ज्योतिबा फुले जयंती 11	वैशाख शुक्ल 1 18	वैशाख शुक्ल 9 25	

निष्काम कर्मयोग

"यही एक ऐसी आराधना है, जहाँ कुण्डलिनी जागरण का विषय है, इसमें भोग व मोक्ष दोनों साथ साथ चलते हैं। बाकी जितनी भी आराधनाएँ हैं, उनमें भोग है तो मोक्ष नहीं, मोक्ष है तो भोग नहीं, एक का त्याग करना पड़ता है। इसमें त्याग नहीं है, ये तो गीता वाला निष्काम कर्मयोग है।"

- समर्थ सद्गुरुदेव श्री रामलाल जी सियाग

अध्यात्म विज्ञान सत्संग केन्द्र, जोधपुर रामराज्य नगर, लेरिया रिसॉर्ट रोड, चौपासनी, जोधपुर (राज.) - 342009

www.the-comforter.org

+91 2912753699

+91 9784742595

avsk@the-comforter.org

YouTube Gurudev Siyag's Siddha Yoga - GSSY

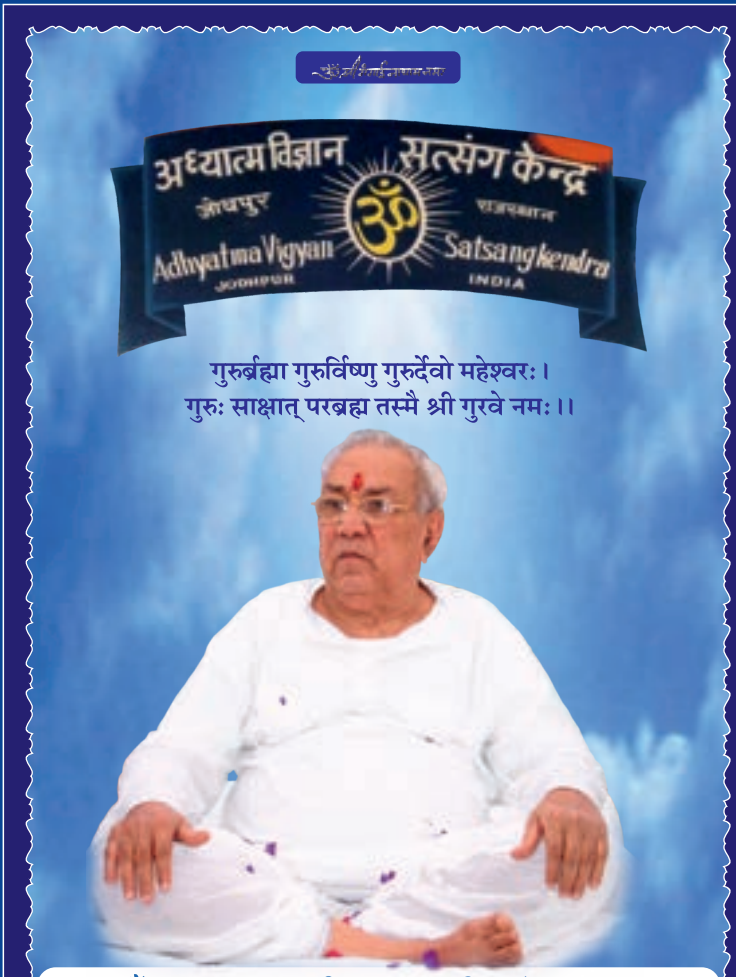

अध्यात्म विज्ञान सत्संग केन्द्र, जोधपुर

उद्देश्य

- समस्त विश्व के मानवों के कल्याण हेतु बिना किसी वर्ग, वर्ण, जाति, धर्म, राष्ट्रीयता एवं लिंग भेद के इस दिव्य अध्यात्म ज्ञान का प्रचार एवं प्रसार करना एवं समस्त विश्व में अध्यात्म विज्ञान सत्संग केन्द्र स्थापित करना।
- विश्व के समस्त धर्मों के विकारों एवं आडम्बरों से मानव मात्र को मुक्त करना एवं अध्यात्म के मूलभूत सार्वभौम सिद्धांत के अनुसार मन मंदिर में उस परमतत्त्व की प्रत्यक्षानुभूति एवं साक्षात्कार कराना।
- विश्व भर में वैदिक दर्शन की प्रत्यक्षानुभूति एवं साक्षात्कार करवाकर भौतिक जगत् में विज्ञान की तरह उसे सत्य प्रमाणित करना।
- विश्व कल्याण हेतु संपूर्ण विश्व में वैदिक मनोविज्ञान (अध्यात्म विज्ञान)की शिक्षा हेतु प्रबन्ध करना तथा वहीं के लोगों को इस ज्ञान का प्रशिक्षण देने योग्य बनाना।
- विश्व के सकारात्मक स्त्री-पुरुषों को शक्तिपात-दीक्षा देकर चेतन करना तथा उन्हें अपने ही देश में इस ज्ञान के प्रचार-प्रसार का अधिकार देकर मानव शान्ति का पथ प्रशस्त करना।
- सिद्धयोग में वर्णित शक्तिपात दीक्षा द्वारा मानवीय गुणों में परिवर्तन लाकर, तमोगुण से रजोगुण, रजोगुण से सतोगुण, सतोगुण से त्रिगुणातीत जाति में बदलकर उस परम तत्त्व की प्रत्यक्षानुभूति एवं साक्षात्कार कराना।

विक्रम संवत् 2083 — **मई** — **2026** — वैशाख शुक्ल 15 से ज्येष्ठ शुक्ल 15 तक

रवि	ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा 31	ज्येष्ठ कृष्ण 2 3	ज्येष्ठ कृष्ण 8 10	ज्येष्ठ शुक्ल 1 17	ज्येष्ठ शुक्ल 9 24
सोम		ज्येष्ठ कृष्ण 3 4	ज्येष्ठ कृष्ण 9 11	ज्येष्ठ शुक्ल 2 18	ज्येष्ठ शुक्ल 10 25
मंगल		ज्येष्ठ कृष्ण 4 5	ज्येष्ठ कृष्ण 10 12	ज्येष्ठ शुक्ल 3 19	ज्येष्ठ शुक्ल 11 26
बुध		ज्येष्ठ कृष्ण 4 6	ज्येष्ठ कृष्ण 11 13	ज्येष्ठ शुक्ल 4 20	ज्येष्ठ शुक्ल 11 27
गुरु		ज्येष्ठ कृष्ण 5 रविन्द्रनाथ टैगोर ज. 7	ज्येष्ठ कृष्ण 12 14	ज्येष्ठ शुक्ल 5 21	ज्येष्ठ शुक्ल 12 28
शुक्र	वैशाख शुक्ल पूर्णिमा विश्व मजदूर दिवस 1	ज्येष्ठ कृष्ण 6 8	ज्येष्ठ कृष्ण 13/14 15	ज्येष्ठ शुक्ल 6/7 22	ज्येष्ठ शुक्ल 13 29
शनि	ज्येष्ठ कृष्ण 1 2	ज्येष्ठ कृष्ण 7 9	ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या 16	ज्येष्ठ शुक्ल 8 23	ज्येष्ठ शुक्ल 14 30

AVSK की स्थापना

विश्व स्तर पर सिद्धयोग के प्रचार-प्रसार हेतु समर्थ सद्गुरुदेव श्री रामलाल जी सियाग ने 10 मई 1993 को अध्यात्म विज्ञान सत्संग केन्द्र, जोधपुर की स्थापना की। आश्रम का निर्माण पूरा होने के बाद से लेकर 05 जून 2017 तक गुरुदेव ने यहीं रहकर शक्तिपात दीक्षा कार्यक्रमों द्वारा लाखों-करोड़ो शिष्यों को चेतन किया।

अध्यात्म विज्ञान सत्संग केन्द्र, जोधपुर रामराज्य नगर, लेरिया रिसॉर्ट रोड, चौपासनी, जोधपुर (राज.) - 342009

www.the-comforter.org
+91 2912753699
+91 9784742595
avsk@the-comforter.org
YouTube Gurudev Siyag's Siddha Yoga - GSSY

समर्थ सद्‌गुरुदेव
श्री रामलाल जी सियाग

"मानवता में सतोगुण का उत्थान और तमोगुण का पतन करने संसार में अकेला ही निकल पड़ा हूँ। मुझ पर किसी भी जाति-विशेष, धर्म-विशेष तथा देश-विशेष का एकाधिकार नहीं है।"

विक्रम संवत् 2083 — **जून 2026** — ज्येष्ठ कृष्ण 1 से आषाढ़ कृष्ण 1 तक

रवि		ज्येष्ठ कृष्ण 7 — **7**	ज्येष्ठ कृष्ण 14 — **14**	ज्येष्ठ शुक्ल 7 — **21**	ज्येष्ठ शुक्ल 14 — **28**
सोम	ज्येष्ठ कृष्ण 1 — **1**	ज्येष्ठ कृष्ण 8 — **8**	ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या/1 — **15**	ज्येष्ठ शुक्ल 8 — **22**	ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा — **29**
मंगल	ज्येष्ठ कृष्ण 2 — **2**	ज्येष्ठ कृष्ण 9 — **9**	ज्येष्ठ शुक्ल 2 — **16**	ज्येष्ठ शुक्ल 9 — **23**	आषाढ़ कृष्ण 1 — **30**
बुध	ज्येष्ठ कृष्ण 3 — **3**	ज्येष्ठ कृष्ण 10 — **10**	ज्येष्ठ शुक्ल 3 — महाराणा प्रताप ज. **17**	ज्येष्ठ शुक्ल 10 — **24**	
गुरु	ज्येष्ठ कृष्ण 4 — **4**	ज्येष्ठ कृष्ण 11 — **11**	ज्येष्ठ शुक्ल 4 — **18**	ज्येष्ठ शुक्ल 11 — **25**	
शुक्र	ज्येष्ठ कृष्ण 5 — सद्‌गुरुदेव सियाग ब्रह्मलीन दिवस **5**	ज्येष्ठ कृष्ण 12 — **12**	ज्येष्ठ शुक्ल 5 — **19**	ज्येष्ठ शुक्ल 12 — **26**	
शनि	ज्येष्ठ कृष्ण 6 — **6**	ज्येष्ठ कृष्ण 13 — **13**	ज्येष्ठ शुक्ल 6 — **20**	ज्येष्ठ शुक्ल 13 — **27**	संजीवनी मंत्र सुनने के लिए 7533006009

गुरु क्या है ?

"ये शरीर थोड़े ही गुरु है, ये तो कल चला जाएगा। गुरु तो अजर-अमर है, अनादि-अनन्त है। गुरु तो आपके अन्दर बैठा है। सबके अन्दर बैठा है।"

मंत्र जाप

"लोग समाधि और ध्यान के लालच में नाम जप को ढीला छोड़ देते हैं, साफ कह रहा हूँ, नाम जप को ढीला मत छोड़ो। नाम जप ही चाबी (Key) है। इसको तेल की, धार की तरह, हर समय (Round the Clock) सघन जप करो।"

अध्यात्म विज्ञान सत्संग केन्द्र, जोधपुर रामराज्य नगर, लेरिया रिसॉर्ट रोड, चौपासनी, जोधपुर (राज.) - 342009

www.the-comforter.org

+91 2912753699

+91 9784742595

avsk@the-comforter.org

YouTube Gurudev Siyag's Siddha Yoga - GSSY

विक्रम संवत् 2083

जुलाई 2026

आषाढ़ कृष्ण 1 से श्रावण कृष्ण 2 तक

रवि		आषाढ़ कृष्ण 5 **5**	आषाढ़ कृष्ण 13 **12**	आषाढ़ कृष्ण 6 **19**	आषाढ़ शुक्ल 12 **26**
सोम	गुरु कृपा ही केवलम्। शिष्यस्य परम मंगलम्।	आषाढ़ कृष्ण 6 **6**	आषाढ़ कृष्ण 14 **13**	आषाढ़ शुक्ल 7 **20**	आषाढ़ शुक्ल 13 **27**
मंगल		आषाढ़ कृष्ण 7 **7**	आषाढ़ कृष्ण अमावस्या **14**	आषाढ़ शुक्ल 8 **21**	आषाढ़ शुक्ल 14 **28**
बुध	आषाढ़ कृष्ण 1 **1**	आषाढ़ कृष्ण 8 **8**	आषाढ़ शुक्ल 1 **15**	आषाढ़ शुक्ल 9 **22**	आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा गुरु पूर्णिमा **29**
गुरु	आषाढ़ कृष्ण 2 **2**	आषाढ़ कृष्ण 9 **9**	आषाढ़ शुक्ल 2 **16**	आषाढ़ शुक्ल 9 **23**	श्रावण कृष्ण 1 **30**
शुक्र	आषाढ़ कृष्ण 3 **3**	आषाढ़ कृष्ण 10/11 **10**	आषाढ़ शुक्ल 3/4 **17**	आषाढ़ शुक्ल 10 **24**	श्रावण कृष्ण 2 **31**
शनि	आषाढ़ कृष्ण 4 **4**	आषाढ़ कृष्ण 12 विश्व जनसंख्या दिवस **11**	आषाढ़ शुक्ल 5 **18**	आषाढ़ शुक्ल 11 **25**	

दिव्य मिशन

''मैं तो, मानव मात्र में जो एक ही शाश्वत-अविभाज्य सत्ता कार्य कर रही है, उसी की प्रत्यक्षानुभूति एवं साक्षात्कार करवाने के लिए ही विश्व में निकला हूँ। आज विश्व में जितने भी धर्म, जिस स्वरूप में चल रहे हैं, मैं उस संकीर्ण दायरे में कैद होने को तैयार नहीं हूँ। मेरे मिशन का दार्शनिक ग्रंथ - 'मनुष्य शरीर' है। मैं मात्र इसी ग्रंथ को पढ़ना सिखाता हूँ। अतः जब तक यह ग्रंथ संसार में रहेगा, तब तक मेरा मिशन चलता ही रहेगा। मेरे रहने या न रहने से भी इस मिशन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि मैं हजारों शिष्यों को चेतन कर चुका हूँ।''

अध्यात्म विज्ञान सत्संग केन्द्र, जोधपुर रामराज्य नगर, लेरिया रिसॉर्ट रोड, चौपासनी, जोधपुर (राज.) - 342009

www.the-comforter.org

+91 2912753699
+91 9784742595

avsk@the-comforter.org
Gurudev Siyag's Siddha Yoga - GSSY

ॐ श्री गंगाई नाथाय नमः

समर्थ सद्गुरुदेव श्री रामलाल जी सियाग

(बाबा श्री गंगाईनाथ जी योगी (ब्रह्मलीन)

''मात्र भारत में ही उस परमसत्ता की आखिरी चिंगारी बची हुई है, जिसको प्रज्वलित करके संसार भर में वह सात्त्विक प्रकाश फैलाया जा सकता है।''

विक्रम संवत् 2083

अगस्त 2026

श्रावण कृष्ण 3 से भाद्रपद कृष्ण 3 तक

रवि	भाद्रपद कृष्ण 2 **30**	श्रावण कृष्ण 4 **2**	श्रावण कृष्ण 11 **9**	श्रावण शुक्ल 4 **16**	श्रावण शुक्ल 11 **23**
सोम	भाद्रपद कृष्ण 3 **31**	श्रावण कृष्ण 5 **3**	श्रावण कृष्ण 12/13 **10**	श्रावण शुक्ल 5 **17**	श्रावण शुक्ल 12 **24**
मंगल		श्रावण कृष्ण 6 **4**	श्रावण कृष्ण 14 **11**	श्रावण शुक्ल 6 **18**	श्रावण शुक्ल 12 **25**
बुध		श्रावण कृष्ण 7 **5**	श्रावण कृष्ण अमावस्या **12**	श्रावण शुक्ल 7 **19**	श्रावण शुक्ल 13 **26**
गुरु		श्रावण कृष्ण 8 **6**	श्रावण शुक्ल 1 **13**	श्रावण शुक्ल 8 **20**	श्रावण शुक्ल 14 **27**
शुक्र	''मेरे गुरुदेव का स्पष्ट आदेश है कि, माँगने आया कोई भी व्यक्ति खाली हाथ नहीं लौटना चाहिए।''	श्रावण कृष्ण 9 रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्य. **7**	श्रावण शुक्ल 2 **14**	श्रावण शुक्ल 9 **21**	श्रावण शुक्ल पूर्णिमा रक्षा बन्धन **28**
शनि	श्रावण कृष्ण 3 **1**	श्रावण कृष्ण 10 **8**	श्रावण शुक्ल 3 स्वतंत्रता दिवस **15**	श्रावण शुक्ल 10 **22**	भाद्रपद कृष्ण 1 **29**

स्वर्णयुग

"इस आध्यात्मिक ज्ञान का दान तो हमेशा भारत ही करता आया है, और आगे भी करेगा। ऐसा समय आ रहा है कि भारत वापस विश्वगुरु बनेगा, अपने स्वर्णयुग में जाएगा। आज का मानव युग परिवर्तन के संधिकाल में जी रहा है - महर्षि श्री अरविंद ने कहा है कि - 'Iron age is ended' अर्थात् कलियुग खत्म हो चुका है, मगर बोलबाला अभी कलियुग का ही है, लेकिन ऐसा विस्फोट होगा कि दुनिया चकाचौंध रह जाएगी कि ये क्या हो गया?"

- समर्थ सद्गुरुदेव श्री रामलाल जी सियाग

अध्यात्म विज्ञान सत्संग केन्द्र, जोधपुर रामराज्य नगर, लेरिया रिसॉर्ट रोड, चौपासनी, जोधपुर (राज.) - 342009

www.the-comforter.org

+91 2912753699

+91 9784742595

avsk@the-comforter.org

YouTube Gurudev Siyag's Siddha Yoga - GSSY

ॐ श्री गंगाईनाथाय नमः

बाबा श्री गंगाईनाथ जी योगी

समर्थ सद्गुरुदेव श्री रामलाल जी सियाग

"हिन्दू धर्म, विश्व धर्म होगा, मेरा उद्देश्य यही है, मगर वैज्ञानिक ढंग से होगा।"

विक्रम संवत् 2083 | **सितम्बर 2026** | भाद्रपद कृष्ण 4 से आश्विन कृष्ण 4 तक

रवि		भाद्रपद कृष्ण 10 **6**	भाद्रपद शुक्ल 2 **13** बाबा रामदेव बीज	भाद्रपद शुक्ल 9 **20**	आश्विन कृष्ण 1 **27**
सोम		भाद्रपद कृष्ण 11 **7**	भाद्रपद शुक्ल 3 **14** श्री गणेश चतुर्थी	भाद्रपद शुक्ल 10 **21** बाबा रामदेव द.	आश्विन कृष्ण 2 **28**
मंगल	भाद्रपद कृष्ण 4 **1**	भाद्रपद कृष्ण 12 **8**	भाद्रपद शुक्ल 4 **15**	भाद्रपद शुक्ल 11 **22**	आश्विन कृष्ण 3 **29**
बुध	भाद्रपद कृष्ण 5/6 **2**	भाद्रपद कृष्ण 13 **9**	भाद्रपद शुक्ल 5 **16**	भाद्रपद शुक्ल 12 **23**	आश्विन कृष्ण 4 **30**
गुरु	भाद्रपद कृष्ण 7 **3**	भाद्रपद कृष्ण 14 **10**	भाद्रपद शुक्ल 6 **17**	भाद्रपद शुक्ल 13 **24**	
शुक्र	भाद्रपद कृष्ण 8 **4** कृष्ण जन्माष्टमी	भाद्रपद कृष्ण अमावस्या **11**	भाद्रपद शुक्ल 7 **18**	भाद्रपद शुक्ल 14 **25** अनंत चतुर्दशी	
शनि	भाद्रपद कृष्ण 9 **5**	भाद्रपद शुक्ल 1 **12**	भाद्रपद शुक्ल 8 **19**	भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा **26**	

"आप लोग इस देश में नहीं, दुनिया में कहो कि इस व्यक्ति की तस्वीर से ध्यान लगता है।"

धरा पर स्वर्ग

"जब भौतिक सत्ता, आध्यात्मिक सत्ता की अधीनता स्वीकार करके उसके आदेशों का पालन प्रारम्भ कर देगी, उसी दिन धरा पर स्वर्ग उतर आएगा।"

- समर्थ सद्गुरुदेव श्री रामलालजी सियाग

अध्यात्म विज्ञान सत्संग केन्द्र, जोधपुर रामराज्य नगर, लेरिया रिसॉर्ट रोड, चौपासनी, जोधपुर (राज.) - 342009

www.the-comforter.org

+91 2912753699
+91 9784742595

avsk@the-comforter.org
YouTube Gurudev Siyag's Siddha Yoga - GSSY

ॐ श्री गंगाईनाथाय नमः

(बाबा श्री गंगाईनाथ जी योगी (ब्रह्मलीन)

समर्थ सद्गुरुदेव श्री रामलाल जी सियाग

विक्रम संवत् 2083 — **अक्टूबर 2026** — आश्विन कृष्ण 5 से कार्तिक कृष्ण 6 तक

रवि		आश्विन कृष्ण 9 4	आश्विन शुक्ल 1 नवरात्री प्रारम्भ 11	आश्विन शुक्ल 7 18	आश्विन शुक्ल 14 25
सोम		आश्विन कृष्ण 10 5	आश्विन शुक्ल 2 12	आश्विन शुक्ल 8 दुर्गाष्टमी 19	आश्विन शुक्ल पूर्णिमा 26
मंगल		आश्विन कृष्ण 11 6	आश्विन शुक्ल 3 13	आश्विन शुक्ल 9 विजय दशमी 20	कार्तिक कृष्ण 1/2 27
बुध		आश्विन कृष्ण 12 7	आश्विन शुक्ल 4 14	आश्विन शुक्ल 10 21	कार्तिक कृष्ण 3 28
गुरु	आश्विन कृष्ण 5 1	आश्विन कृष्ण 13 8	आश्विन शुक्ल 5 15	आश्विन शुक्ल 11 22	कार्तिक कृष्ण 4 करवा चौथ 29
शुक्र	आश्विन कृष्ण 6 गांधी व शास्त्री ज. 2	आश्विन कृष्ण 14 9	आश्विन शुक्ल 6 16	आश्विन शुक्ल 12 23	कार्तिक कृष्ण 5 30
शनि	आश्विन कृष्ण 7/8 3	आश्विन कृष्ण अमावस्या वायुसेना दिवस 10	आश्विन शुक्ल 7 17	आश्विन शुक्ल 13 24	कार्तिक कृष्ण 6 31

''नाम जप से विघ्नों का नाश एवं अभाव होता है।''

-सद्गुरुदेव सियाग

गुरु सर्वव्यापक

''हमारे विज्ञान में **time** (समय) और **space** (स्थान) की कोई **value** (महत्त्व) नहीं है। आप मेरे में हो और मैं आप में हूँ। आप जहाँ याद करोगे, मैं वहाँ **present** (उपस्थित) रहूँगा। गुरु अगर वास्तव में 'गुरु' है तो **omnipresent** (सर्वव्यापक) है।''

-सद्गुरुदेव सियाग

अध्यात्म विज्ञान सत्संग केन्द्र, जोधपुर रामराज्य नगर, लेरिया रिसॉर्ट रोड, चौपासनी, जोधपुर (राज.) - 342009

www.the-comforter.org

+91 2912753699

+91 9784742595

avsk@the-comforter.org

YouTube Gurudev Siyag's Siddha Yoga - GSSY

विक्रम संवत् 2083

नवम्बर 2026

कार्तिक कृष्ण 7 से मार्गशीर्ष कृष्ण 7 तक

रवि	कार्तिक कृष्ण 7 **1**	कार्तिक कृष्ण 14 **8** दीपावली	कार्तिक शुक्ल 6 **15**	कार्तिक शुक्ल 13 **22**	मार्गशीर्ष कृष्ण 6 **29**
सोम	कार्तिक कृष्ण 8 **2**	कार्तिक कृष्ण अमावस्या **9** गोवर्धन पूजा	कार्तिक शुक्ल 7 **16**	कार्तिक शुक्ल 14 **23**	मार्गशीर्ष कृष्ण 7 **30**
मंगल	कार्तिक कृष्ण 9 **3**	कार्तिक शुक्ल 1 **10**	कार्तिक शुक्ल 8 **17**	कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा **24** सद्गुरूदेव सियाग अवतरण दिवस	
बुध	कार्तिक कृष्ण 10 **4**	कार्तिक शुक्ल 2 **11** भाईदूज	कार्तिक शुक्ल 9 **18**	मार्गशीर्ष कृष्ण 1 **25**	
गुरु	कार्तिक कृष्ण 11 **5**	कार्तिक शुक्ल 3 **12**	कार्तिक शुक्ल 9 **19**	मार्गशीर्ष कृष्ण 2 **26**	
शुक्र	कार्तिक कृष्ण 12 **6** धनतेरस	कार्तिक शुक्ल 4 **13**	कार्तिक शुक्ल 10/11 **20**	मार्गशीर्ष कृष्ण 3/4 **27**	
शनि	कार्तिक कृष्ण 13 **7**	कार्तिक शुक्ल 5 **14** बाल दिवस	कार्तिक शुक्ल 12 **21**	मार्गशीर्ष कृष्ण 5 **28**	

भगवान स्वयं मार्ग पर चलकर मनुष्यों को राह दिखाने के लिए मनुष्य का रूप धारण करते हैं और बाहरी मानव-प्रकृति को स्वीकार करते हैं, पर इससे उनका 'भगवान' होना खत्म नहीं हो जाता।

-महर्षि श्री अरविन्द

कल्कि अवतार

महर्षि अरविंद के अनुसार 24 नवम्बर, 1926 को श्रीकृष्ण का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। श्रीकृष्ण अतिमानसिक प्रकाश नहीं है। श्रीकृष्ण के अवतरण का अर्थ है अधिमानसिक देव का अवतरण, जो जगत् को अतिमानस और आनन्द के लिए तैयार करता है। श्रीकृष्ण आनन्दमय हैं। वे अतिमानस और अपने आनन्द की ओर उद्बुद्ध करके विकास का समर्थन और संचलान करते हैं। महर्षि अरविन्द ने इसी संदर्भ में कहा था कि मानव रूप में प्रकट हुई वह शक्ति अपने क्रमिक विकास के साथ अतिशीघ्र विश्व के सामने प्रकट हो जाएगी। पूज्य सद्गुरुदेव श्री रामलालजी सियाग का सम्पूर्ण जीवन दर्शन महर्षि की समस्त भविष्यवाणियों से पूर्णतः सत्य सिद्ध हुआ है।

अध्यात्म विज्ञान सत्संग केन्द्र, जोधपुर रामराज्य नगर, लेरिया रिसॉर्ट रोड, चौपासनी, जोधपुर (राज.) - 342009

www.the-comforter.org

+91 2912753699
+91 9784742595

avsk@the-comforter.org
Gurudev Siyag's Siddha Yoga - GSSY

सद्गुरुदेव श्री रामलाल जी सियाग

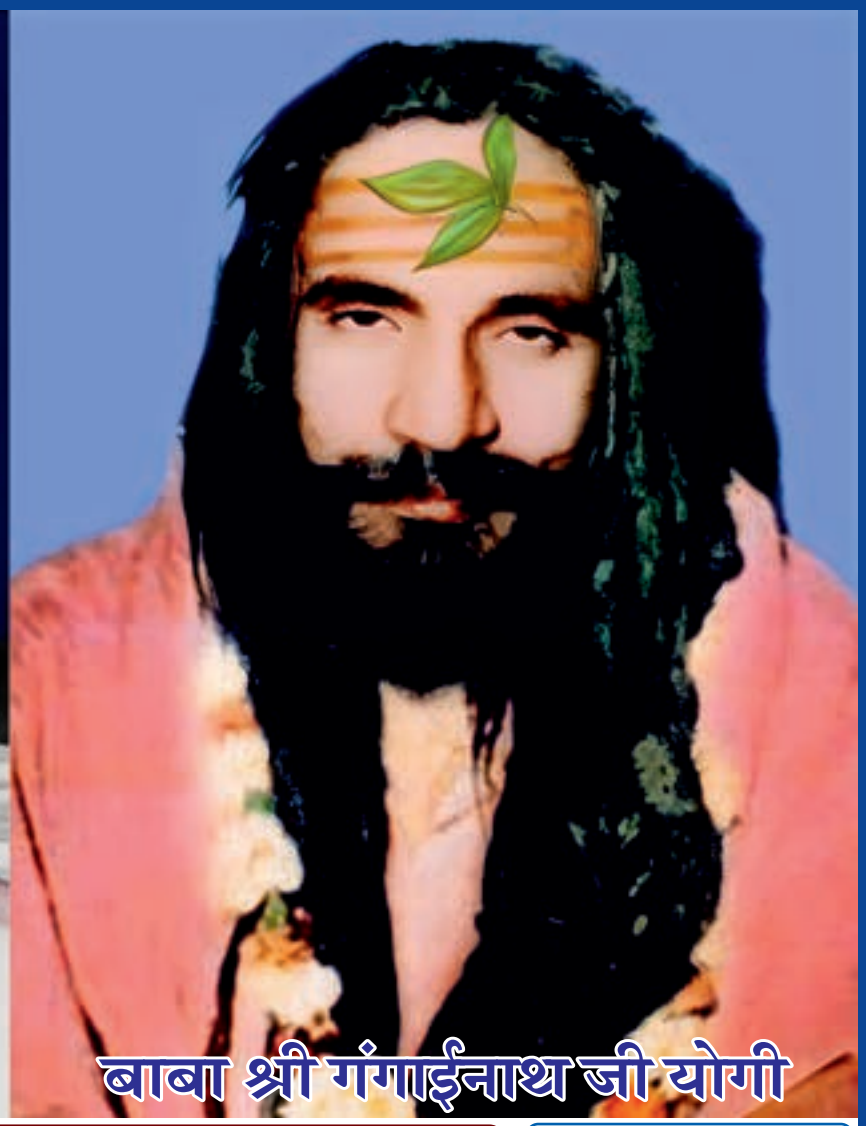

बाबा श्री गंगाईनाथ जी योगी

विक्रम संवत् 2083

दिसम्बर 2026

मार्गशीर्ष कृष्ण 8 से पौष कृष्ण 8 तक

रवि		मार्गशीर्ष कृष्ण 13 6	मार्गशीर्ष शुक्ल 4 13	मार्गशीर्ष शुक्ल 11 20	पौष कृष्ण 4 27
सोम		मार्गशीर्ष कृष्ण 14 7	मार्गशीर्ष शुक्ल 5 14	मार्गशीर्ष शुक्ल 12 21	पौष कृष्ण 5 28
मंगल	मार्गशीर्ष कृष्ण 8 1	मार्गशीर्ष कृष्ण अमावस्या 8	मार्गशीर्ष शुक्ल 6 15	मार्गशीर्ष शुक्ल 13 22	पौष कृष्ण 6 29
बुध	मार्गशीर्ष कृष्ण 9 2	मार्गशीर्ष शुक्ल 1 9	मार्गशीर्ष शुक्ल 7 16	मार्गशीर्ष शुक्ल 14 अमावस्या 23 राष्ट्रीय किसान दिवस	पौष कृष्ण 7 30
गुरु	मार्गशीर्ष कृष्ण 10 3	मार्गशीर्ष शुक्ल 1 10	मार्गशीर्ष शुक्ल 8 17	पौष कृष्ण 1 24	पौष कृष्ण 8 31
शुक्र	मार्गशीर्ष कृष्ण 11 4 नौ-सेना दिवस	मार्गशीर्ष शुक्ल 2 11	मार्गशीर्ष शुक्ल 9 18	पौष कृष्ण 2 क्रिसमस डे 25	 जामसर
शनि	मार्गशीर्ष कृष्ण 12 5	मार्गशीर्ष शुक्ल 3 12	मार्गशीर्ष शुक्ल 10 19	पौष कृष्ण 3 26	 काजलवास

जीवन परिचय

बाबा श्री गंगाईनाथ जी आईपंथी नाथ सम्प्रदाय के संन्यासी योगी थे। उनका जन्म पाली जिले के सिरमा ग्राम में हुआ। उनका प्रारम्भिक आराधना काल आईपंथी नाथों के अस्थलभोर अखाड़े (हरियाणा), बनारस व हिमाचल प्रदेश में बीता। फिर काजलवास में आराधना कर रहे नाथ योगी बाबा श्री भाउनाथ जी ने अपनी आध्यात्मिक शक्ति से उनको बुलाया व अपनी शक्तिपात की सम्पूर्ण सामर्थ्य प्रदान की। कुछ वर्षों बाद अपने गुरू के आदेश से वह बीकानेर के पास जामसर नामक स्थान पर आए व रेत के टीले पर धूणा स्थापित करके, लम्बे समय तक तपस्यारत रहे। मई 1983 में अपनी योग शक्ति से गुरूदेव श्री रामलाल जी सियाग को बुलाकर दीक्षा देकर गुरूपद सौंपा। 31 दिसम्बर 1983, प्रातः 5:22 पर बाबा जामसर में समाधिस्थ हुए।

अध्यात्म विज्ञान सत्संग केन्द्र, जोधपुर रामराज्य नगर, लेरिया रिसॉर्ट रोड, चौपासनी, जोधपुर (राज.) - 342009

www.the-comforter.org

+91 2912753699

+91 9784742595

avsk@the-comforter.org

YouTube Gurudev Siyag's Siddha Yoga - GSSY